

वैदिक दर्शन,
भारतीय इतिहास और संस्कृति...

स्वामी विरजानन्द जी की पुण्यतिथि (दिनांक 14 सितम्बर 2015)
पर हम उन्हें स्मरण करते हैं।



स्वामी विरजानन्द जी (1778-1868) एक संस्कृत विद्वान, व्याकरण के दैदिप्यमान सूर्य और वेदोद्धारक स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के गुरु थे। इनको मथुरा के अंधे गुरु के नाम से भी जाना जाता है।

आस्था चैनल पर विचार के कार्यक्रमों के प्रसारण की अनुसूची सितम्बर 2015
प्रतिदिन रात्रि 9:30 से 10:00 बजे तक
(पुनः प्रसारण हर रोज आस्था भजन चैनल पर रात्रि 8:00 से 8:30 बजे तक)

प्रत्येक सोमवार

समग्र विश्व को श्रेष्ठ बनाओ

: वक्ता :

आचार्य ज्ञानेश्वर जी आर्य

इसका प्रसारण दि. 07, 14, 21 - सितम्बर को जरूर देखें

प्रत्येक मंगलवार

प्रेरक प्रवचन

: वक्ता :

स्वामी विवेकानन्द जी परिव्राजक

इसका प्रसारण दि. 01, 08, 15, 22, 29 - सितम्बर को जरूर देखें

प्रत्येक बुधवार

लक्ष्य निर्धारण एवम् प्राप्ति

: वक्ता :

आचार्य आशीष जी आर्य

इसका प्रसारण दि. 02, 09, 23 - सितम्बर को जरूर देखें

प्रत्येक गुरुवार

युवा और अध्यात्म

: वक्ता :

डॉ. विनय विद्यालंकार

इसका प्रसारण दि. 03, 10 - सितम्बर को जरूर देखें

प्रत्येक शुक्रवार

योग दर्शन

: वक्ता :

आचार्य सत्यजित जी

इसका प्रसारण दि. 04, 11, 18, 25 - सितम्बर को जरूर देखें

प्रत्येक शनिवार

सोलह संस्कार

: वक्ता :

डॉ. वागीश आचार्य

इसका प्रसारण दि. 05, 12, 19, 26 - सितम्बर को जरूर देखें

सितम्बर मास की विचार की विशेष प्रस्तुति

विचार प्रस्तुति

एक दिन...

हम होंगे कामयाब

लघु चलचित्रों की शृंखला...



दि. 24 - सितम्बर : मैडम श्रीकाजी कामा

दि. 28 - सितम्बर : शाहीद भगत सिंह

दि. 30 - सितम्बर : श्रीनिवास रामानुज

विचार प्रस्तुति

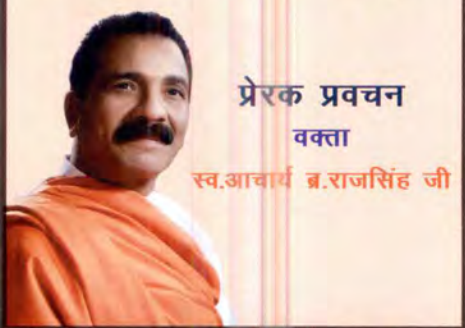
वैदिक भजन

विचार संगीत



इसका प्रसारण दि. 06, 13, 20, 27 - सितम्बर को जरूर देखें

दिल्ली सभा के पूर्व प्रधान
स्व.आचार्य ब्र.राजसिंह जी की प्रथम जयंती
दि.16 सितम्बर पर विचार की प्रस्तुति



प्रेरक प्रवचन

वक्ता

स्व.आचार्य ब्र.राजसिंह जी

इसका प्रसारण दि. 16, 17 - सितम्बर को जरूर देखें

: विशेष अनुरोध :

विचार द्वारा निर्मित कार्यक्रमों का दैनिक प्रसारण हर रोज रात्रि 9:30 बजे से आस्था चैनल पर चल रहा है। इसका पुनः प्रसारण हर रोज आस्था भजन चैनल पर भी रात्रि 8:00 से 8:30 बजे तक हो रहा है। इसमें अपना सौजन्य विज्ञापन सहयोग करने की भावना रखने वाले व्यक्ति या संस्था इसके विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया श्री धर्मेश आर्य (कार्यकारी निदेशक - विचार) से मो.नं. 07738070401 पर संपर्क कर सकते हैं।

विचार प्रस्तुति

VICHAAR

हिन्दी धारावाहिक

क्या लोग थे वो दीवाने !!



©VTNL

• श्री गोविन्दराम जी द्वार्य • श्री लालमन जी द्वार्य • पंडित फूलचन्द्र जी शर्मा "निदर"

इन तीनों फिल्मों की CD एवम् विचार द्वारा निर्मित अन्य सभी कार्यक्रमों की CD विक्रय हेतु विचार E Store में उपलब्ध है। इसे विचार की वेबसाइट www.vichaar.tv पर जाकर E Store से Online खरीद सकते हैं।



अनुसंधान प्रतिवेदन

[illegible][illegible]

निम्नलिखित तालिका में दिए गए विवरणों के अनुसार विवरण



Source: <http://www.irs.gov>.

- | | |
|----------------------|------------------|
| 1. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 2. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 3. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 4. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 5. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 6. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 7. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |
| 8. दी दुनिया सुना है | मेरी मेरी दुनिया |

शंका सनाथान

प्रश्न : भगवान् कृष्ण-कर्म में होता है? या ज्ञान-रूप भगवान् का है।

प्रश्नवाचक: जी हाँ। भगवान कण-कण से है। कोई कण मात्र भी तबान ईश्वर से बाकी नहीं है। ईश्वर सर्वव्यापक है। GOD IS ONLY PRESENT. दूसरी बात कण-कण भगवान का है? ये बात भी ठीक है। कण-कण का भौतिक भगवान है। सारी दुनिया का भौतिक एक है। इसमें भी कोई आसक्ति नहीं है। जगदीश बाबा। ही साधर से पूछना चाहते हो – की क्या कण-कण ही भगवान है? इसका उत्तर है – जी नहीं। कण-कण भगवान नहीं है। भगवान जलम पीज है और ये कण-कण, *Atomists* ये जलम पीज है, और पीसरी वस्तु है हम। आप और हम। हम है जगज्ज। तो कुल मिलाकर तीन वस्तुएं हैं, जो सदा से हैं, सदा रहेंगी। कितनी वस्तुएं हैं? – तीन। पहली वस्तु, ईश्वर, दूसरी जीवजमा, तीसरी प्रकृति। तो प्रकृति को जगदीश ने *Matterials* कहते हैं। जिसको आप *Matterials* कहते हैं उसको हम प्रकृति कहते हैं। तो येद आदि, सबकी से कुलभार ये तीन वस्तुएं जगजि हैं। मूर्ध्नि जगज्ज कलरन्ती ने मेरा की जगज्ज नर इस जेजवेन को फिज्ज कहते हैं।

— स्वामी विवेकानन्द पण्डितानन्द

पंजीकृत हॉटि पुस्तकें

पवि

☆ 1000

विषय निर्धारण के लिए 100%

[illegible]

business. These problems need solving.

Source: <http://www.fishbase.org> (accessed 12/20/04).

[illegible]